

1573354

Олег Ольжич

# Читадельня душа

## ЗМІСТ

---

Муза мужності й боротьби - М. Неврлий ..... 5

### РІНЬ - 1935

|   |    |
|---|----|
| Рінь .....                                | 32 |
| Л. Мосенджові .....                       | 33 |
| Скільки сонця .....                       | 34 |
| Вечір .....                               | 35 |
| I блиснули на сонці ножі .....            | 36 |
| Поля - облоги і бур'ян .....              | 37 |
| Вчора лишились за нами .....              | 38 |
| Галли .....                               | 39 |
| Новобранець .....                         | 40 |
| Готи .....                                | 41 |
| Тісно увечері .....                       | 42 |
| Змій .....                                | 43 |
| Нічний напад .....                        | 44 |
| Наш табір між чагарниками .....           | 45 |
| Хтось метнув неминучу стрілу .....        | 46 |
| Монастир .....                            | 47 |
| Акваріум .....                            | 48 |
| Присвята .....                            | 49 |
| Робітня .....                             | 50 |
| Страшно в горах вночі .....               | 51 |
| Революція .....                           | 52 |
| Піхотинець .....                          | 53 |
| Дванадцять літ кривавилась земля .....    | 54 |
| Пройшли пурпурні фенікійські дні .....    | 55 |
| Заходить сонце .....                      | 56 |
| Воно зросло з шукання і розпути .....     | 57 |
| На полях сторожкового сьогодні .....      | 58 |
| I дні, i ночі .....                       | 59 |
| Нашо слова? Ми діло несемо .....          | 60 |
| I жили у розкошах, слабі і блудливі ..... | 61 |
| Страшний суд .....                        | 62 |
| Візія .....                               | 63 |
| Був же вік золотий .....                  | 64 |
| На трьох горбах під знаками орла .....    | 67 |
| Ганнібал в Італії .....                   | 68 |

## **В Е Ж І - 1940**

|                         |    |
|-------------------------|----|
| Городок 1932.....       | 72 |
| Незнаному воякові ..... | 78 |

## **ПІДЗАМЧА - 1946**

|                                      |     |
|--------------------------------------|-----|
| Підзамча.....                        | 94  |
| Яблуня на горі .....                 | 95  |
| Алябастер.....                       | 96  |
| Шякунтала.....                       | 97  |
| Муки св. Катерини .....              | 98  |
| Сонна Венус .....                    | 99  |
| Голландський образ.....              | 100 |
| Порцеляна .....                      | 101 |
| Диліжанс.....                        | 102 |
| Пороша .....                         | 103 |
| Воно дощем спадає золотим .....      | 104 |
| Люкреція.....                        | 105 |
| Пророк.....                          | 106 |
| Глухо храми упали .....              | 107 |
| Триптих.....                         | 108 |
| Дні зводяться і падають за кін ..... | 109 |
| Пророк.....                          | 110 |
| Ясне мерехтіння кіна.....            | 112 |
| Гігантомахія.....                    | 113 |

## **ПОЗА ЗБІРКАМИ**

|                                      |     |
|--------------------------------------|-----|
| Господь багатий нас благословив..... | 116 |
| Тридцять днів.....                   | 117 |
| Зимовник .....                       | 118 |
| Давнім трунком .....                 | 119 |
| Все бурхливіші крила негоди .....    | 120 |
| Гарматник .....                      | 121 |
| Поцілуєш, різко і суворо .....       | 122 |
| Присвята.....                        | 123 |
| Молитва.....                         | 124 |
| Дон Хозе .....                       | 125 |
| Десь ти ходиш .....                  | 126 |
| Здригаюся і залишаю форум .....      | 127 |
| Змовники .....                       | 128 |
| Маленька кузька, кола на воді .....  | 129 |
| Геологія.....                        | 130 |
| Антропологія .....                   | 131 |

|                                      |     |
|--------------------------------------|-----|
| Краса, розмріяна краса.....          | 132 |
| Як сьогодні.....                     | 133 |
| Б'є три години на міській вежі.....  | 134 |
| Пластовий капелюх .....              | 135 |
| У Цезаря.....                        | 137 |
| На темних кладках свої ріки .....    | 138 |
| Межа.....                            | 139 |
| Японії.....                          | 140 |
| <b>З циклу "Кремінь" - 1931</b>      |     |
| Чорно-синяву рінь гризучи .....      | 142 |
| Зайнялось неземними огнями .....     | 143 |
| Мабуть, судилось мені .....          | 144 |
| Полінезійці .....                    | 145 |
| <b>З циклу "Камінь" - 1932</b>       |     |
| Напинайте рогожі вітрил .....        | 146 |
| Риплять і квилять.....               | 147 |
| Знаю добре .....                     | 148 |
| Ах, узліссям іти фіялковим .....     | 149 |
| Злотний порох .....                  | 150 |
| Приходили.....                       | 151 |
| Бог ясний між людьми ходить.....     | 152 |
| <b>З циклу "Бронза" - 1932</b>       |     |
| Долини падають .....                 | 153 |
| Світанок .....                       | 154 |
| Легко і ясно лежати .....            | 155 |
| Пісня про ворога .....               | 156 |
| <b>З циклу "Залізо" - 1932</b>       |     |
| Душа обважніла.....                  | 157 |
| Надокучили вівці і кози .....        | 158 |
| Ольбієць .....                       | 159 |
| Товариш.....                         | 160 |
| Полісся .....                        | 161 |
| Вікінг .....                         | 162 |
| Поворот .....                        | 163 |
| Люкреція.....                        | 164 |
| <b>З альбомних поезій</b>            |     |
| Олю мила, хоч сьогодні .....         | 168 |
| Милив друже, як тяжко зносив я ..... | 169 |
| Він не йде. Сліпучий панцир .....    | 170 |
| Дон Кіхот.....                       | 172 |

|   |     |
|---|-----|
| Коли, як свічка, догорає рік .....                      | 173 |
| Панове, не дивуйтесь.....                               | 174 |
| <b>З сатиричних віршів</b>                              |     |
| Метаморфози .....                                       | 175 |
| Ну, та й чистять .....                                  | 176 |
| Вже ціла зграя збіглась їх .....                        | 177 |
| <b>З ПУБЛІЦИСТИКИ О. ОЛЬЖИЧА</b>                        |     |
| Героїзм в українській усній словесності.....            | 179 |
| Дух руїни.....  | 180 |
| У двадцятиліття .....                                   | 181 |
| Передмова до “Золотого Слова“ .....                     | 181 |
| XIX століття.....                                       | 182 |
| Українська історична свідомість .....                   | 182 |
| Український побут .....                                 | 183 |
| Наші завдання .....                                     | 183 |
| Українська культура.....                                | 184 |
| Різдвяна відозва .....                                  | 184 |
| Хотіння бути.....                                       | 185 |
| <b>ПРО О. ОЛЬЖИЧА ЯК ПОЕТА, ВЧЕНОГО Й РЕВОЛЮЦІОНЕРА</b> |     |
| Ольжич, яким я його пам'ятаю .....                      | 188 |
| В. Державин.....  | 202 |
| Ю. Бойко .....  | 203 |
| Є. Маланюк .....  | 204 |
| У. Самчук.....  | 205 |
| Л. Винар .....  | 207 |
| О. Лятуринська .....                                    | 209 |
| С. Гординський .....                                    | 209 |
| Є. Ю. П(еленський) .....                                | 210 |
| Varro (псевд.).....                                     | 210 |
| Ю. Лободовський.....                                    | 211 |
| Ю. Шевельов .....                                       | 212 |
| Я. Шумелда.....   | 213 |
| Я. Гайwas.....  | 214 |
| Є. Мастикаш .....                                       | 216 |
| <b>ПРИМІТКИ .....</b>                                   | 220 |